

ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाओं पर डिजिटल साक्षरता का प्रभाव डा० दीप्ति भार्गव

परिचय:

आज के डिजिटल युग में तकनीक हमारे जीवन का एक अभिन्न हिस्सा बन चुकी है। शहरी क्षेत्रों में जहां डिजिटल तकनीक का व्यापक रूप से उपयोग हो रहा है, वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में अब भी डिजिटल साक्षरता की कमी देखी जाती है। विशेष रूप से महिलाओं के लिए डिजिटल साक्षरता सामाजिक और आर्थिक प्रगति में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह लेख डिजिटल साक्षरता के महत्व, उसके लाभ, और ग्रामीण महिलाओं पर इसके प्रभावों पर प्रकाश डालेगा।

डिजिटल साक्षरता का अर्थ

डिजिटल साक्षरता का अर्थ है कंप्यूटर, स्मार्टफोन और इंटरनेट जैसी डिजिटल तकनीकों का प्रभावी उपयोग करना। इसमें ईमेल भेजना, ऑनलाइन बैंकिंग करना, सरकारी योजनाओं की जानकारी लेना, डिजिटल भुगतान करना और इंटरनेट के माध्यम से शिक्षा प्राप्त करना शामिल है।

ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल साक्षरता क्यों आवश्यक है?

ग्रामीण महिलाओं के लिए डिजिटल साक्षरता इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल उनके ज्ञान को बढ़ाती है बल्कि उन्हें आत्मनिर्भर भी बनाती है। डिजिटल तकनीकी के माध्यम से महिलाएं शिक्षा प्राप्त कर सकती हैं, स्वरोजगार शुरू कर सकती हैं और सरकारी योजनाओं का लाभ उठा सकती हैं।

डिजिटल साक्षरता के लाभ

1. शिक्षा और जानकारी तक पहुँच

इंटरनेट की सहायता से महिलाएं ऑनलाइन पाठ्यक्रम पढ़ सकती हैं, सरकारी योजनाओं की जानकारी प्राप्त कर सकती हैं और नए कौशल सीख सकती हैं।

2. आर्थिक सशक्तिकरण

डिजिटल प्लेटफॉर्म के माध्यम से महिलाएं ऑनलाइन बिजनेस कर सकती हैं, स्वरोजगार के अवसर खोज सकती हैं और बैंकिंग सेवाओं का लाभ उठा सकती हैं। डिजिटल पेमेंट सिस्टम जैसे मोबाइल बैंकिंग से वे वित्तीय रूप से अधिक स्वतंत्र बन सकती हैं।

3. स्वास्थ्य सेवाओं तक पहुँच

डिजिटल स्वास्थ्य सेवाएं, जैसे टेलीमेडिसिन, महिलाओं को दूरदराज के डॉक्टरों से परामर्श लेने की सुविधा प्रदान करती हैं। इसके अलावा, वे स्वास्थ्य संबंधी जानकारी प्राप्त कर अपने परिवार की देखभाल कर सकती हैं।

4. सामाजिक सशक्तिकरण

सोशल मीडिया और अन्य डिजिटल माध्यमों के जरिए महिलाएं अपने अधिकारों के प्रति जागरूक हो सकती हैं और सामाजिक मुद्दों पर अपनी आवाज उठा सकती हैं।

डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने वाली सरकारी योजनाएं

डा० दीप्ति भार्गव

सहायक प्राध्यापक, सामुदायिक विज्ञान महाविद्यालय, बी०यू०ए०टी०, बांदा

सरकार ने डिजिटल साक्षरता को बढ़ावा देने के लिए कई योजनाएं चलाई हैं जो निम्न हैं :

- ⇒ **प्रधानमंत्री ग्रामीण डिजिटल साक्षरता अभियान (PMGDISHA)** – इस योजना के तहत ग्रामीण क्षेत्रों में लोगों को डिजिटल तकनीकों का प्रशिक्षण दिया जाता है।
- ⇒ **राष्ट्रीय डिजिटल साक्षरता मिशन (NDLM)** – इस मिशन के माध्यम से समाज के सभी वर्गों को डिजिटल रूप से साक्षर बनाया जाता है।
- ⇒ **डिजिटल इंडिया पहल** – इस पहल के तहत गांवों में इंटरनेट सुविधाएं बढ़ाई जा रही हैं ताकि डिजिटल सेवाओं तक महिलाओं की पहुंच आसान हो सके।

डिजिटल साक्षरता को बढ़ाने की चुनौतियाँ

डिजिटल साक्षरता के कई लाभ हैं, लेकिन इसे बढ़ाने में कुछ प्रमुख चुनौतियाँ भी हैं।

1. **इंटरनेट कनेक्टिविटी की कमी** – ग्रामीण क्षेत्रों में इंटरनेट की उपलब्धता और स्पीड अब भी एक बड़ी समस्या है।
2. **अशिक्षा और जागरूकता की कमी** – कई महिलाएं डिजिटल तकनीकी को अपनाने में हिचकिचाती हैं क्योंकि उन्हें इसके उपयोग की जानकारी नहीं होती।
3. **सांस्कृतिक और सामाजिक बाधाएँ** – कई परिवारों में महिलाओं की शिक्षा और डिजिटल तकनीकों के उपयोग को प्रोत्साहित नहीं किया जाता।

4. **आर्थिक सीमाएँ** – कई महिलाओं के पास स्मार्टफोन और अन्य डिजिटल उपकरण खरीदने के लिए पर्याप्त संसाधन नहीं होते।

समाधान और सुझाव

1. **निःशुल्क डिजिटल प्रशिक्षण केंद्र** – गांवों में डिजिटल शिक्षा के लिए अधिक प्रशिक्षण केंद्र स्थापित किए जाएं।
2. **मोबाइल आधारित शिक्षा** – मोबाइल ऐप्स और ऑनलाइन कोर्स के जरिए महिलाओं को डिजिटल साक्षरता सिखाई जाए।
3. **स्थानीय भाषा में** – प्रशिक्षण और डिजिटल सामग्री को स्थानीय भाषा में उपलब्ध कराया जाए ताकि महिलाएं इसे आसानी से समझ सकें।
5. **सामाजिक जागरूकता अभियान** – डिजिटल साक्षरता के महत्व को समझाने के लिए ग्राम पंचायतों और स्वयंसेवी संगठनों के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जाएं।

निष्कर्ष

डिजिटल साक्षरता ग्रामीण महिलाओं के जीवन को बदलने की शक्ति रखती है। यह न केवल उन्हें आर्थिक रूप से स्वतंत्र बनाती है बल्कि शिक्षा, स्वास्थ्य और सामाजिक अधिकारों तक उनकी पहुँच को भी बढ़ाती है। सरकार और समाज को मिलकर महिलाओं के डिजिटल सशक्तिकरण के लिए अधिक से अधिक प्रयास करने चाहिए ताकि वे भी डिजिटल क्रांति का पूरा लाभ उठा सकें।